क्या आप फल दे रहे हैं और राष्ट्रों को स्वास्थ्य प्रदान कर रहे
हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

1. हम, जो अपने प्रभु यीशु मसीह में उद्धार पाए हैं, एक पेड़ के समान हैं जिसे स्वयं परमेश्वर ने इस संसार में लगाया है। और उस पेड़ में हम सभी की अपनी भूमिका और जिम्मेदारियाँ हैं। हमारे प्रभु यीशु मसीह को पेड़ की तना के समान कहा गया है, और हमें शाखाओं के समान कहा गया है। तना जड़ों से लेकर शाखाओं के उगने तक फैलता है। इस प्रकार, हमारे प्रभु यीशु वही हैं जो हमें जीवन देते हैं, जो परमेश्वर से आते हैं और हमें प्रकट करते हैं। लेकिन हम शाखाओं से फलों तक फैलते हैं।

यूहन्ना 15:1-2,5

[1] मैं सच्चा अंगूर का बेल हूँ, और मेरा पिता माली है।
[2] वह मुझमें जो कोई शाखा फल नहीं देती उसे काट देता है, और जो फल देती है उसे और अधिक फल देने के लिए काटता है…
[5] मैं बेल हूँ; तुम शाखाएँ हो। यदि तुम मुझमें रहो और मैं तुममें रहूँ, तो तुम बहुत फल दोगे; मुझसे अलग होकर तुम कुछ नहीं कर सकते।

अक्सर हम केवल शाखाओं में फल देखते हैं। लेकिन आज हमें गहराई में देखने की आवश्यकता है। सामान्यतः, एक शाखा में दो चीजें होती हैं: पत्ते और फल। दोनों शाखा पर दिखाई देने चाहिए।

इसलिए, हमें और आपको, मसीही संतो के रूप में, यह पूछना चाहिए: क्या पत्ते हैं? और क्या फल भी हैं?

क्या आप फल दे रहे हैं और राष्ट्रों को स्वास्थ्य प्रदान कर रहे
हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

फल क्या हैं?
पेड़ की तुलना में फल का मूल अर्थ केवल लोगों को मसीह में परिवर्तित करना नहीं है, जैसा कि अक्सर माना जाता है, बल्कि अपने उद्धार का फल उत्पन्न करना है—यानी, पश्चाताप का फल।

योहन बपतिस्मा देने वाले ने आत्मा के माध्यम से इसे स्पष्ट किया। आइए पढ़ें:

मत्ती 3:7-10

[7] जब उन्होंने देखा कि बहुत सारे फरीसी और सदूकी वहाँ आ रहे हैं जहाँ वह बपतिस्मा दे रहे थे, तो उन्होंने उनसे कहा, “साँपों की संतान! तुम्हें आने वाले क्रोध से भागने की चेतावनी किसने दी?
[8] पश्चाताप के अनुसार फल दो।
[9] और यह मत सोचो कि तुम कह सकते हो, ‘हमारा पिता अब्राहम है।’ मैं तुम्हें बताता हूँ कि इन पत्थरों से परमेश्वर अब्राहम के लिए
संतान उठा सकता है।
[10] कुल्हाड़ी पहले से ही पेड़ों की जड़ों पर है, और जो भी पेड़ अच्छा फल नहीं देगा, उसे काट दिया जाएगा और आग में फेंक दिया जाएगा।”

उन्होंने फरीसियों को देखा जो खुद को परमेश्वर के दूत और अब्राहम की

क्या आप फल दे रहे हैं और राष्ट्रों को स्वास्थ्य प्रदान कर रहे
हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

संतान बताते थे, लेकिन उनके दिल बुराई और गंदगी से भरे हुए थे। वे फलहीन पेड़ों जैसे दिखाई दिए।

फल आत्मा का फल है, जिसे हर विश्वासी को अपने दिल से उत्पन्न करना चाहिए, जैसे:

गलातियों 5:22-23

[22] पर आत्मा का फल है: प्रेम, आनन्द, शांति, धैर्य, कृपा, भलाई, विश्वासनीयता,
[23] कोमलता, आत्मसंयम; इन चीजों के विरुद्ध कोई नियम नहीं है।

जो कोई भी अपने उद्धार को कार्यों में दिखाता है, वह परमेश्वर के लिए फल देता है, जो उसकी आत्मा को पोषण देता है। और इस प्रकार, वह हमसे बहुत प्रसन्न होता है।

पत्ते क्या हैं?

जैसा कि कहा गया, एक शाखा में पत्ते और फल दोनों होते हैं। पत्ते वह सेवा है जो हमें दूसरों को मसीह की ओर लाने के लिए करनी है, हमारे भीतर दिए गए दान के माध्यम से। प्रभु ने हमें आज्ञा दी कि हम सारे संसार में

क्या आप फल दे रहे हैं और राष्ट्रों को स्वास्थ्य प्रदान कर रहे
हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

जाएँ, सुसमाचार प्रचार करें और सभी जातियों को शिष्य बनायें (मत्ती 28:19)।

जब आप दूसरों को साक्ष्य देते हैं, तो आपके पत्ते राष्ट्रों को स्वस्थ करते हैं और उन्हें बचाते हैं। याद रखें, पत्ते सामान्यतः स्वादहीन होते हैं; वे अक्सर औषधि का काम करते हैं। यही प्रभु हमारे माध्यम से पापियों के लिए करते हैं।

प्रकाशितवाक्य 22:1-2

[1] फिर देवदूत ने मुझे जीवन के जल की नदी दिखाई, जो क्रिस्टल की
तरह स्पष्ट थी, परमेश्वर और मेमने के सिंहासन से बह रही थी,
[2] शहर की महान सड़क के बीचोंबीच बह रही थी। नदी के दोनों ओर जीवन
का पेड़ खड़ा था, जो बारह प्रकार के फल देता था, और हर महीने अपना
फल देता था; और पेड़ के पत्ते राष्ट्रों के स्वास्थ्य के लिए हैं।

देखा? पत्ते राष्ट्रों को स्वस्थ करने के लिए हैं, उन लोगों को जो परमेश्वर को नहीं जानते। हमें यह पूछना चाहिए: क्या हम सुसमाचार प्रचार कर राष्ट्रों को स्वस्थ कर रहे हैं?

एक मसीही, जीवन के पेड़ का हिस्सा, आपको सक्रिय सुसमाचार प्रचारक होना

क्या आप फल दे रहे हैं और राष्ट्रों को स्वास्थ्य प्रदान कर रहे
हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

चाहिए। केवल यह मत कहें, “मैं उद्धार पाया हूँ; यह पर्याप्त है।” प्रभु के लिए कार्य करें। दूसरों को यीशु के बारे में बताएं और उन्हें स्वस्थ करें। अपने आप को कम मत आंकिए; यह मसीह आपके माध्यम से कार्य कर रहा है—आप केवल शाखा हैं जो दूसरों को साक्ष्य देती है।

लेकिन केवल प्रचार करना, जबकि मसीह के विपरीत जीवन जीना, खतरनाक है। यदि आपके पास पत्ते हैं लेकिन आपके दिल में उद्धार का फल नहीं है… तो आप निंदा के योग्य हैं।

मरकुस 11:13-14

[13] उन्होंने दूर में पत्तों वाला अंजीर का पेड़ देखा और यह
जानने गए कि इसमें कोई फल है या नहीं। जब वे वहाँ पहुँचे, उन्होंने केवल पत्ते देखे, क्योंकि अंजीर का मौसम नहीं था।
[14] फिर उन्होंने पेड़ से कहा, “अब कोई भी तुमसे फल न खाए।” और
उनके शिष्य ने यह सुना।

कुछ लोग केवल यह सोचते हैं कि परमेश्वर की सेवा करना पर्याप्त है, पवित्र जीवन जीने की आवश्यकता नहीं है। उन्हें केवल पत्तों वाला पाया जाता है।

क्या आप फल दे रहे हैं और राष्ट्रों को स्वास्थ्य प्रदान कर रहे
हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

आइए सुनिश्चित करें कि हमारे पास पत्ते हैं, लेकिन साथ ही फल भी उत्पन्न करें क्योंकि हम जीवन के पेड़ की तना का हिस्सा हैं। परमेश्वर की कृपा हमारी मदद करेगी।

प्रभु आपको आशीर्वाद दें।

Share on:
WhatsApp

Print this post